1 मातृभूमि की सेवा में...

• कविता •

शौक	अरमान	उद्‌यम	उम्मीद	मातृभूमि	सर्वस्व

है शौक यही अरमान यही,
हम कुछ कर दिखलाएँगे।
जो लोग ग़रीब-भिखारी हैं,
जिन पर न किसी की छाया है
हम उनको गले लगाएँगे,
हम उनको सुखी बनाएँगे।
जो लोग अँधेरे घर में हैं,
अपनी ही नहीं नज़र में हैं
हम उनके कोने-कोने में,
उद्‌यम का दीप जलाएँगे।
जो लोग हार कर बैठे हैं,
उम्मीद मार कर बैठे हैं
हम उनके बुझे दिमागों में
फिर से उत्साह जगाएँगे।
हम उन वीरों के बच्चे हैं,
जो धुन के पक्के सच्चे थे।
हम उनका मान बढ़ाएँगे,
हम जग में नाम कमाएँगे।
रोको मत, आगे बढ़ने दो,
आज़ादी के दीवाने हैं।
हम मातृभूमि की सेवा में,
अपना सर्वस्व लुटा देंगे।

—रामनरेश त्रिपाठी

शिक्षण संकेत

• बच्चों को कविता का सस्वर वाचन कराएँ तथा पूरी कविता का भावार्थ समझाएँ। बच्चों को मातृभूमि की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहने के लिए प्रेरित करें। बच्चों के हृदय में दीन-दुखियों के प्रति सहानुभूति की भावना का संचार करने का भरसक प्रयास करें।

शब्दकोश

शौक – चाव, रुचि। **अरमान** – अभिलाषा, इच्छा। **उद्‌यम** – परिश्रम। **उम्मीद** – आशा। **उत्साह** – उमंग, जोश। **वीर** – बहादुर। **धुन** – लगन, निश्चय। **मान** – आदर, सम्मान। **सर्वस्व** – सब कुछ।

विशेष : **मानक वर्तनी के प्राचीन एवं नवीन रूप**

उद्यम – उद्‌यम	बच्चे – बच्चे	पक्के – पक्के	कमायेंगे – कमाएँगे

समग्र एवं सतत अभ्यास Summative and Formative Assessment CCE Based

पाठ बोध

1. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए: समेटिव असेसमेंट

क. इस कविता में बच्चे क्या प्रण कर रहे हैं?

ख. दीन-दुखी, निराश्रित लोगों के विषय में कवि के क्या विचार हैं?

ग. देश के प्रति हमारा क्या कर्तव्य होना चाहिए?

2. सही उत्तर के आगे ✓ लगाइए: M C Qs

क. किन लोगों में फिर से उत्साह जगाने की बात की जा रही है?

ग़रीब-भिखारी में ☐ वृद्‌ध-युवा में ☐ हारे हुए लोगों में ☐ इनमें से कोई नहीं ☐

ख. कविता में किसका मान बढ़ाने की बात कही गई है?

हारे हुए लोगों का ☐ सभी देशवासियों का ☐ पक्के निश्चय के लोगों का ☐ परिश्रमी लोगों का ☐

ग. आगे बढ़ने के लिए कौन कह रहे हैं?

राहगीर ☐ बच्चे ☐ शिक्षक ☐ आज़ादी चाहने वाले ☐

3. कविता की इन पंक्तियों का भावार्थ लिखिए:

रोको मत, आगे बढ़ने दो
आज़ादी के दीवाने हैं
हम मातृभूमि की सेवा में,
अपना सर्वस्व लुटा देंगे।

भावार्थ :

भाषा एवं व्याकरण

1. उलटे अर्थ वाले शब्द लिखिए:

उद्‌यम × ________	ग़रीब × ________	वीर × ________	मान × ________
सुख × ________	आज़ादी × ________	अंधकार × ________	अपना × ________

2. दिए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए:

भिखारी – ______ + ______ + ______ + ______ + ______ + ______

नज़र – ______ + ______ + ______ + ______ + ______ + ______

दीवाने – ______ + ______ + ______ + ______ + ______ + ______

3. तुक मिलते शब्द लिखिए:

घर – ________ हार – ________ बच्चे – ________ बढ़ाएँगे – ________

4. पर्यायवाची शब्द लिखिए

ग़रीब – ________ ________ अंधकार – ________ ________ दीप – ________ ________

✤ देखिए और पढ़िए :

है शौक यही, अरमान यही,
हम कुछ करके दिखलाएँगे
उद्‌यम का दीप जलाएँगे।।

समझिए

कविता की इन पंक्तियों में प्रयुक्त रंगीन शब्द किसी विशेष भाव का बोध करा रहे हैं। अतः ये 'भाववाचक संज्ञा' शब्द हैं।

याद रखिए : किसी वस्तु, व्यक्ति अथवा प्राणी के गुण, दोष, अवस्था आदि का बोध कराने वाले शब्द **भाववाचक संज्ञा** कहलाते हैं।

भाववाचक संज्ञाएँ दो प्रकार की होती हैं:

1. जो किसी शब्द से बनाई न गई हों; जैसे—शौक, अरमान, उम्मीद, उत्साह आदि।
2. जिनकी रचना जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया शब्दों से की गई हो; जैसे—

- जातिवाचक संज्ञा से : दीवान से दीवानगी बच्चा से बचपन
- सर्वनाम से : अपना से अपनत्व निज से निजता
- विशेषण से : सुखी से सुख सच्चा से सच्चाई
- क्रिया से : कमाना से कमाई जगाना से जाग

5. अब दिए शब्दों की भाववाचक संज्ञा बनाकर लिखिए:

आज़ाद – ________	वीर – ________	अंधा – ________	ग़रीब – ________
अपना – ________	सर्व – ________	अहं – ________	मम – ________

रचनात्मक अभ्यास

फॉरमेटिव असेसमेंट

1. मौखिक उत्तर दीजिए:

क. कविता में 'हम' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?

ख. कविता में किन लोगों को सुखी बनाने की बात की गई है?

ग. 'रोको मत, आगे बढ़ने दो' का क्या तात्पर्य है?

घ. बच्चे किन लोगों में उत्साह जगाने की बात कर रहे हैं?

2. इसी भाव की कुछ कविताएँ एकत्र कर अपनी अभ्यास-पुस्तिका अथवा स्क्रैप बुक में लगाइए।

3. कविता की अंतिम पंक्तियों को सुंदर लेख में चार्ट पर लिखकर कक्षा में लगाइए।

4. यहाँ कुछ ऐसे गौरवशाली व्यक्तित्वों के चित्र दिए गए हैं जिन पर भारत को गर्व है। आप उन्हें पहचानकर उनका नाम तथा कार्य-क्षेत्र लिखिए:

नाम : _____
कार्य-क्षेत्र : _____

नाम : _____
कार्य-क्षेत्र : _____

नाम : _____
कार्य-क्षेत्र : _____

नाम : _____
कार्य-क्षेत्र : _____

≈ कवि-परिचय ≈

रामनरेश त्रिपाठी
(1889-1962)

कवि **रामनरेश त्रिपाठी** ने कई दृष्टियों से हिंदी-साहित्य को अतुलनीय समृद्धि प्रदान की है। राष्ट्रीय भावनाओं पर आधारित इनका काव्य अत्यंत हृदयस्पर्शी है। इनका जन्म सन् 1889 में जिला जौनपुर के अंतर्गत कोइरीपुर गाँव के एक साधारण कृषक परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम पं० रामदत्त त्रिपाठी था। इन्होंने केवल नवीं कक्षा तक ही विद्यालय में शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद आपने स्वतंत्र रूप से अध्ययन किया तथा साहित्य-सेवा को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया। साहित्य की विविध विधाओं पर इनका पूर्ण अधिकार था। साहित्य सृजन करते-करते सरस्वती का यह पुत्र सन् 1962 में स्वर्गवासी हो गया।

इनकी प्रमुख रचनाएँ निम्न प्रकार हैं— 'वीरांगना', 'लक्ष्मी' (उपन्यास); 'सुभद्रा', 'प्रेमलोक' (नाटक), 'स्वप्नों के चित्र' (कहानी संग्रह); 'गुपचुप कहानी', 'बुद्धि विनोद', 'आकाश की बातें', 'फूलरानी' (बाल-साहित्य); 'महात्मा बुद्ध', 'अशोक' (जीवन-चरित) आदि प्रमुख गद्य रचनाएँ तथा 'मिलन', 'पथिक', 'स्वप्न' आदि खंडकाव्य हैं। 'मानसी' इनकी फुटकर रचनाओं का संग्रह है।